भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

<u>अतारांकित प्रश्न संख्या: 4193</u>

<u>मंगलवार, 19 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए</u>

एक जिला एक उत्पाद पुरस्कार समारोह

4193. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः
श्री सुधीर गुप्ताः
श्री मनीष जायसवालः
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतरावः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार समारोह आयोजित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने नए बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देने और पहली बार निर्यात करने वालों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से नए दिशानिर्देश जारी किए हैं;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इससे नए निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने में किस प्रकार सुविधा होगी;

(घ) नए बाजारों में जिला-विशिष्ट उत्पादों को बढ़ाना देने में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल की क्या भूमिका है;

(ङ) अपने-अपने राज्यों के साथ-साथ अन्य राज्यों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पीएम एकता मॉल की स्थापना को मंजूरी देने वाली राज्य सरकारें कौन- सी हैं; और

(च) क्या सरकार ने देशभर के विभिन्न जिलों से विभिन्न क्षेत्रों के अनूठे उत्पादों की कुल संख्या की पहचान की है और यदि हां, तो उनके विपणन को बढ़ावा देने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए उठाए गए कदमों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने ओडीओपी पहल के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, ज़िलों और विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों द्वारा किए गए प्रयासों को मान्यता देने और उनका

सम्मान करने के लिए एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कारों के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। वर्ष 2024 के लिए ओडीओपी पुरस्कारों हेतु पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 14 जुलाई, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। समारोह के दौरान, राष्ट्रीय ओडीओपी पुरस्कार, 2024 के विजेताओं को सम्मानित किया गया, ओडीओपी पुरस्कारों के तीसरे संस्करण की पुस्तिका का विमोचन किया गया तथा राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों, ज़िलों और भारतीय मिशनों द्वारा किए गए सफल प्रयासों का एक संकलित संग्रह, ओडीओपी संबंधी सर्वोत्तम कार्यों के संकलन, का अनावरण किया गया। यह संकलन अनुकरणीय प्रथाओं की रिपोजिट्री के रूप में कार्य करता है और पुरस्कार विजेताओं के लचीलेपन, नवप्रयोग और दूरदर्शी दृष्टि को दर्शाता है। इस कार्यक्रम में चयनित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और मिशनों द्वारा ओडीओपी की सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा राज्यों, जिलों, मिशनों, एग्रीगेटर्स और ब्रांड भागीदारों की भागीदारी के साथ भविष्य की राह के संबंध में एक सत्र का भी आयोजन किया गया।

ज़िलों, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों तथा विदेश स्थित भारतीय मिशनों को तीन श्रेणियों में कुल 34 पुरस्कार प्रदान किए गए। विदेशों में स्थित भारतीय मिशन इस समारोह में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। पुरस्कार विजेताओं की सूची **अनुबंध-I** में दी गई है।

(ख) और (ग): एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) निर्यात संवर्धन के लिए बिना किसी वित्तीय घटक वाली एक पहल है। हालाँकि, विदेश व्यापार नीति, 2023 में उल्लिखित निर्यात बंधु स्कीम का उद्देश्य उद्योग भागीदारों, ज्ञान भागीदारों तथा अन्य हितधारकों के सहयोग से परामर्श, प्रशिक्षण और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से नए और आकांक्षी निर्यातकों का विदेश व्यापार की बारीकियों के संबंध में मार्गदर्शन करना है। इनमें निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बारे में जागरूक करना भी शामिल है।

इसके अतिरिक्त, चिन्हित उत्पादों की निर्यात क्षमता बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य सरकारों, जिला स्तरीय प्राधिकरणों, निर्यात संवर्धन परिषदों, उद्योग निकायों, संस्थागत हितधारकों और अन्य के साथ समन्वय से विदेश व्यापार नीति के तहत शुरू की गई "निर्यात केंद्र के रूप में जिले (डीईएच)" के विकास की पहल लागू की जा रही है। डीईएच पहल के भाग के रूप में, देश भर के विभिन्न जिलों में एनबीएस के अंतर्गत आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स को शामिल किए जाने को सुगम बनाना है, जिससे निर्यातकों

और एमएसएमई को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रभावी रूप से व्यापार करने के लिए आवश्यक सहायता मिल सके।

इसके अलावा, केंद्रीय बजट वर्ष 2025-26 में घोषित निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) भारतीय निर्यातकों, विशेषकर एमएसएमई के समक्ष आने वाली प्रमुख बाधाओं को दूर करने का प्रस्ताव करता है। इसका उद्देश्य किफायती और समावेशी व्यापार निधियन तक पहुंच को सुदृढ़ करना, गैर-वित्तीय बाधाओं को दूर करते हुए निर्यात गुणवत्ता और वैश्विक मानकों के अनुपालन को बढ़ाना जो साथ ही लॉजिस्टिक्स सहायता और संस्थागत निर्यात सहायता भी प्रदान करती हैं। वर्तमान में, ईपीएम का मसौदा ईएफसी नोट तैयार कर लिया गया है और संबंधित मंत्रालयों को उनकी टिप्पणियों के लिए भेज दिया गया है।

(घ) और (च): एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल ने 6 क्षेत्रों के 773 जिलों से 1241 उत्पादों की पहचान की है, जिनमें से प्रत्येक अपने जिले की अनूठी विरासत और आर्थिक क्षमता को दर्शाता है। ओडीओपी उत्पादों की पहचान संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) द्वारा की जाती है, और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के संबंधित विभागों द्वारा अंतिम रूप से तैयार सूची उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) को भेजी जाती है। ओडीओपी पहल के तहत अब तक पहचाने गए विशिष्ट उत्पादों का (जिलावार) विवरण डीपीआईआईटी की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक के तहत उपलब्ध है- https://dpiit.gov.in/sites/default/files/Annexure_LS_4193_18August2025.pdf

ओडीओपी पहल, उत्पाद पहचान, ब्रांडिंग, क्षमता निर्माण और रणनीतिक बाजार संपर्कों को शामिल करते हुए नए बाजारों में जिला-विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिला-विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए किए जाने वाली कुछ कार्यकलाप निम्नानुसार हैं:

बाजार पहुंच और संपर्क: दिनांक 29 अगस्त, 2022 को ओडीओपी जीईएम बाजार को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) संबंधी वस्तुओं की देशव्यापी बिक्री और खरीद को बढ़ावा देना है। इस प्लेटफॉर्म में उत्पादकों को संस्थागत खरीदारों से सीधे जोड़ने के लिए 500 से अधिक श्रेणियां हैं। कारीगरों और उत्पादकों को घरेलू और वैश्विक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेज़न कारीगर, फ्लिपकार्ट समर्थ और ओएनडीसी से भी जोड़ा जा रहा है, जिससे नए बिक्री चैनल खुल रहे हैं। उत्पादकों को खुदरा विक्रेताओं, निर्यातकों और कॉर्पोरेट खरीदारों से जोड़ने के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की जाती हैं।

वैश्विक प्रचार और निर्यात की तैयारी: विदेशों में 50 से अधिक भारतीय मिशनों के सहयोग से उत्पादों को प्रदर्शित करने, खरीद को सुविधाजनक बनाने और दूतावासों एवं उच्च-यातायात वाले स्थानों पर ओडीओपी वाल्स स्थापित करने में सक्षम हुए हैं। जापान, हांगकांग, मालदीव और रूस सहित 15 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भागीदारी के साथ-साथ सिंगापुर के कश्मीर हेरिटेज सेंटर जैसे अंतर्राष्ट्रीय स्टोरों की स्थापना से इसकी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार हुआ है। एनआईडी/निफ्ट के साथ डिज़ाइन कार्यशालाओं, आईआईटी के माध्यम से उत्पाद विकास सहायता और डीजीएफटी द्वारा निर्यात संवेदीकरण संबंधी जागरूकता, वैश्विक बाजार मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में मदद कर रहे हैं।

क्षमता निर्माण और गुणवत्ता संवर्धन: उत्पाद को आकर्षक बनाने हेतु उसमें सुधार और निर्यात आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 50 से अधिक डिज़ाइन संबंधी जागरूकता कार्यशालाएं और आर्गेनिक प्रमाणन अभियान आयोजित किए गए हैं। आईआईटी, उद्योग संघों और वित्तीय संस्थानों के साथ सहयोग से कारीगरों के कौशल में वृद्धि हो रही है, उत्पादन प्रक्रियाओं में सुधार हो रहा है और डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता प्राप्त हो रही है।

नीतिगत और अवसंरचना सहायता: स्थानीय संस्थागत सहायता सुनिश्चित करने के लिए, राज्यों को ओडीओपी-विशिष्ट नीतियों को अपनाने या ओडीओपी को मौजूदा व्यापार, एमएसएमई या निर्यात नीतियों के साथ एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और इस संबंध में सुविधा प्रदान की जा रही है। ओडीओपी उत्पादों के लिए स्थायी खुदरा और प्रदर्शन केंद्र के रूप में काम करने के लिए राज्यों में पीएम एकता मॉल तैयार किए जा रहे हैं, जिससे घरेलू और पर्यटक-आधारित बिक्री को बढ़ावा मिलेगा। यह एक ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल के तहत आर्थिक सशक्तीकरण और सांस्कृतिक उत्सव का एक प्रतीक बनकर उभर रहा है। इस महत्वाकांक्षी उद्यम का उद्देश्य कारीगरों और उपभोक्ताओं के बीच सहजीवी संबंध को सुदृढ़ करना और देश के कोने-कोने से स्वदेशी उत्पादों का एक विस्तृत परिदृश्य प्रस्तुत करना है। स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की अटूट प्रतिबद्धता के साथ, पीएम-एकता मॉल भारत की विविधता की पहचान होने के साथ ही भौगोलिक सीमाओं से परे एक जीवंत मार्केट प्लेस का निर्माण करता है।

रणनीतिक ब्रांडिंग और उपभोक्ता जुड़ाव: कहानी कहने संबंधी अभियान, प्रभावशाली लोगों के साथ सहयोग, और ओडीओपी उपहार अभियान तथा दिवाली बाज़ार जैसे विषयगत प्रचार-प्रसार नए बाज़ारों में आकांक्षात्मक आकर्षण पैदा कर रहे हैं। ओडीओपी को एक स्थानीय-वैश्विक ब्रांड के रूप में

स्थापित करने के लिए विश्व आर्थिक मंच और आईआईटीएफ जैसे मंचों का लाभ उठाया जा रहा है।

(ङ): सभी राज्यों को देश भर के ओडीओपी उत्पादों (एक ज़िला, एक उत्पाद), भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों और अन्य हस्तशिल्पों के प्रचार और बिक्री के लिए वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में घोषित पीएम एकता मॉल (यूनिटी मॉल) स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस मॉल में प्रत्येक संघ राज्य क्षेत्र और राज्य के लिए अपने ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित करने हेतु समर्पित स्थान का प्रावधान किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग की 'पूंजीगत निवेश 2023-24 के लिए राज्यों को विशेष सहायता स्कीम (एसएएससीआई)' के भाग- VI (यूनिटी मॉल) के अंतर्गत, सभी राज्यों में पीएम एकता मॉल के निर्माण के लिए 5000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिसके तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की सिफारिश पर, व्यय विभाग ने 27 राज्यों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को अनुमोदित किया है। प्रत्येक मॉल में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कम से कम 36 दुकानें रखने की योजना है।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 19 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4193 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

दिनांक 14 जुलाई, 2025 को आयोजित ओडीओपी पुरस्कार, 2024 के विजेताओं की सूची

I. **विदेशों में स्थित भारतीय मिशन**:

विदेशों में स्थित मिशन	**पुरस्कार**
भारतीय उच्चायोग, सिंगापुर	स्वर्ण
भारतीय महावाणिज्य दूतावास, न्यूयॉर्क	रजत
भारतीय महावाणिज्य दूतावास, वैंकूवर	कांस्य

II. **राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**:

क. श्रेणी क:

रैंक	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**पुरस्कार**
1	आंध्र प्रदेश	स्वर्ण
	महाराष्ट्र	
	पंजाब	
	उत्तर प्रदेश	
2	मध्य प्रदेश	रजत
3	गुजरात	कांस्य
	राजस्थान	
	पश्चिम बंगाल	

ख. श्रेणी ख:

रैंक	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**पुरस्कार**
1	जम्मू और कश्मीर	स्वर्ण
2	सिक्किम	रजत
3	मेघालय	कांस्य
	लद्दाख	

III. जिले:

क. श्रेणी क- कृषि:

रैंक	जिला	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	उत्पाद	पुरस्कार
1	गुंटूर	आंध्र प्रदेश	मिर्च	स्वर्ण
	रत्नागिरि	महाराष्ट्र	अल्फांसो आम	
2	नागपुर	महाराष्ट्र	नागपुर संतरा	रजत
	पुलवामा	जम्मू और कश्मीर	केसर	
3	सिद्धार्थनगर	उत्तर प्रदेश	काला नमक चावल	कांस्य
	अमरावती	महाराष्ट्र	मंदारिन संतरा	
	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश	काजू	
4	नलबाड़ी	असम	चावल और चावल से बने उत्पाद	विशेष उल्लेख
	वायनाड	केरल	कॉफी	
	नासिक	महाराष्ट्र	अंगूर/किशमिश	

ख. श्रेणी ख - गैर-कृषि:

रैंक	जिला	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	उत्पाद	पुरस्कार
1	बापतला	आंध्र प्रदेश	चिराला सिल्क साड़ियां (कुप्पदम)	स्वर्ण
	विजयनगरम	आंध्र प्रदेश	बोबिली वीणा	
	तिरुपति	आंध्र प्रदेश	वेंकटगिरी कॉटन साड़ी	
2	श्री सत्य साई	आंध्र प्रदेश	धर्मावरम सिल्क साड़ियाँ	रजत
	गांदरबल	जम्मू और कश्मीर	विलो विकर	
3	अनकापल्ली	आंध्र प्रदेश	एटिकोप्पाका खिलौने	कांस्य
	काकीनाडा	आंध्र प्रदेश	पेद्दापुरम सिल्क्स	
4	अकोला	महाराष्ट्र	कपास ओटना एवं दबाना	विशेष उल्लेख
	पश्चिमी गोदावरी	आंध्र प्रदेश	नर्सपुर क्रोशे फीता	

*****